ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक: 09.01.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-01-09 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	10/01/2024	11/01/2024	12/01/2024	13/01/2024	14/01/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	17.0	17.0	18.0	18.0	18.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	8.0	9.0	9.0	9.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	35	35	35
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	1	1	1	2	2
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	4

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (2 से 8 जनवरी) में 0 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15.0-19.6 और 5.3-9.8oC के बीच रहा। कुछ दिन आंशिक बादल छाए रहे तथा कोहरा लगा रहा । सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 92-100% और 56-84% के बीच रही। हवा की गति मुख्य रूप से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम, उत्तर-उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने वाली 1.6-4.6 किमी प्रति घंटे के बीच थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 17.0-18.0oC और 8-9oC के बीच भिन्न होने के साथ कोई वर्षा नहीं होने की संभावना है। अधिकांश दिनों में शुष्क मौसम रहने की संभावना है। हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 1-2 किमी प्रति घंटे के बीच रहने की उम्मीद है। क्षेत्र में शुष्क मौसम बने रहने की उम्मीद है इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। NDVI कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम से अच्छी कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 05-11 जनवरी तक बड़ी कमी वाली वर्षा की प्रवृत्ति को इंगित करती है और अधिकतम और न्यूनतम तापमान में सामान्य की भविष्यवाणी करती है। नए ऐसे मौसम में रोग उत्पन्न होने की संभावनाएं होती है तो फसलों की नियमित निगरानी के साथ-साथ निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

क्षेत्र में शुष्क मौसम की संभावना है, इसलिए आवश्यकतानुसार फसलों की सिंचाई की जानी चाहिए और नियमित निराई और गुड़ाई कार्यों की निगरानी की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक/ फूल आना	फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। चना/मसूर में, एफिड हमले के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
राइ एवं तोरिया (लाही) / पीली सरसों	परिपक्वता / फूल आना/ फली बनना	देर से बुवाई के मामले में तोरिया की कटाई परिपक्वता पर की जानी चाहिए, जबकि सरसों (राई) के मामले में फूल आने और फली बनने पर सिंचाई की जानी चाहिए। कीट और रोग के आक्रमण के लिए सरसों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
गेहू	वानस्पतिक	देर से बोई गई फसल में खरपतवार निकलने की स्थिति में हाथ से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए या आवश्यकतानुसार सिंचाई के साथ-साथ निर्धारित रसायन का प्रयोग करना चाहिए। जिंक की कमी होने पर फसल पर जिंक सल्फेट का निर्धारित मात्रा में छिड़काव करना चाहिए तथा रोगों की नियमित निगरानी करनी चाहिए।
जौ	वानस्पतिक	देर से बोई गई फसल की निराई-गुड़ाई पर निगरानी रखनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	पेड़ी और शरदकालीन गन्ने की निगरानी की जानी चाहिए और जल कल्लो को काट देने जैसे उचित कृषि कार्य किए जाने चाहिए।
चारा फसलें	वानस्पतिक	फसलों की कटाई उचित समय पर करनी चाहिए और कटाई के तुरंत बाद सिंचाई करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	रोपाई	खाद वाले खेतों में प्याज की फसल की रोपाई जनवरी के मध्य तक पूरी कर लेनी चाहिए।
सब्जीमटर	वानस्पतिक/ फूल आना	फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए।
टमाटर/मिर्च	फूल/फल बनना	रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसलों की नियमित जांच की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए।

आलू	वानस्पतिक	फसल में मिट्टी चढ़ाने की क्रिया के बाद बचे हुए नाइट्रोजन को 30-35 दिनों के अंतराल पर डालना चाहिए। आलू में लेट ब्लाइट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
भेड़/बकरी	भेड़/बकरी के प्रसव कक्ष को साफ-सुथरा रखें।